WIT AND HUMOUR, POETRY AND COUPLET
FIFTH SESSION OF SIXTEENTH LOK SABHA

Sr. No.	Date	Subject	Name of Member/Minister	Poetry/Humour/Couplet/ Repartee
1.	05.08.2015	Discussion Under Rule 193 on Sustainable Development Goal and Millennium Development Goals	Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank	Poem
2.	05.08.2015	Discussion Under Rule 193 on Sustainable Development Goal and Millennium Development Goals	Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank	Poem
3.	05.08.2015	Discussion Under Rule 193 on Sustainable Development Goal and Millennium Development Goals	Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank	Poem
4.	07.08.2015	Question Hour	Dr. Subhash Ramrao Bhamre	Humour

एक नया भारत बनाने का इरादा मन में है ।

While participating in the discussion Under Rule 193 on Sustainable Development Goals and Millennium Development Goal on 5th August 2015, Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank recited the following poem in support of girl child:-

" स्वप्न देखा था कभी जो आज हर घड़कन में है,
एक नया भारत बनाने का इरादा मन में है ।
एन नया भारत कि जिसमें एक नया विश्वास हो,
जिसकी आंखों में चमकती एक नया उल्लास हो,
हो जहां सम्मान हर एक जाति-धर्म का,
सब समर्पित हो जहां एक लक्ष्य उसके पास हो,
एक नया अभियान अपने देश के जन-जन में हो,
एक नया भारत बनाने का इरादा मन में है । "

On hearing this, there was thumping of desks from all parts of the House.

बोए जाते हैं बेटे पर उग आती हैं बेटियां ।

While participating in the discussion Under Rule 193 on Sustainable Development Goals and Millennium Development Goal on 5th August 2015, Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank recited the following poem in support of girl child:-

" बोए जाते हैं बेटे पर उग आती हैं बेटियां
खाद-पानी बेटों को पर लहराती हैं बेटियां
मेहनत करते हैं बेटे पर अव्वल आती हैं बेटियां
रूलाते हैं जब खूब बेटे तो हंसाती हैं बेटियां
नाम करे न करे बेटे पर नाम कमाती हैं बेटियां
जब दर्द देते हैं बेटे तो मरहत लगाती हैं बेटियां
जब छोड़ जाते हैं बेटे तो काम आती हैं बेटियां
आशा रहती है बेटों से पर पूरा करती हैं बेटियां
हजारों फरमाइश से भरे हैं बेटे पर समय की नज़ाकत को समझती हैं बेटियां
बेटे को चांद जैसा मत बनाओं कि हर कोई घूर-घूरकर देखे
किन्तु बेटी को सूरज जैसा बनाओ ताकि उसे घूरने से पहले सबकी नजर झुक जाए ।
जिससे अंधेरा मिटे ओर हर परिवार नया जीवन पाए । "

On hearing this, there was thumping of desks from all parts of the House.

A POEM

While participating in the discussion Under Rule 193 on Sustainable Development Goals and Millennium Development Goal on 5th August 2015, Dr. Ramesh Pokhriyal Nishank recited the following poem in support of girl child:-

" हो गई है पीर पर्वत सी पिघलनी चाहिए,
इस हिमालय से नई गंगा निकलनी चाहिए ।
मेरे दिल में न सही, तेरे दिल में ही सही,
हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए । "

On hearing this, there was thumping of desks from all parts of the House.

खंबा पीड़ित सांसद हूं ।

Hon. Speaker called Dr. Subhash Ramrao Bhamre on 7th August, 2015 to put his Starred Question No.266 during Question Hour. Dr. Bharme's seat is just behind one of the pillars inside the Chamber. This is what happened.

माननीय अध्यक्ष : क्या आपकी यही सीट है ?

डॉ. सुभा ा रामराव भामरे (धुले) : मेरी सीट यह नहीं हैं, मैं खंबा पीड़ित सांसद हूं ।

माननीय अध्यक्ष : हमने उनके लिए भी व्यवस्था की है ।

On hearing this there was peel of laughter inside the House.